

31.7.24

बकील कमीवांर अउपज्जित/बकीलकमीवांर मा लवपं कमीवांर
की कार-कार कावोपे पिगरे अरे डिने कोरे उपज्जित
मधी जाणा यावजुद चवना निर्यालि सिधि की उपज्जित
न जाने की काज कमील कडक खिरी, कडक पेरी की
खाडे की जाती है/बकील केवल अउपज्जित खाड
राजमील दाखिल दस्त है।

अतिरिक्त संभोगीय आयुक्त
भारतपुर

[Faint handwritten notes and signatures in the middle section of the page]

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]